पाठ 13: अनुग्रह, प्रेम और सहभागिता

क. **हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह... तुम सब के साथ होता रहे**

1. पौलुस ने कुरिन्थ के मसीहियों को लिखी अपनी दूसरी पत्री का आरम्भ और समापन कैसे किया? 2 कुरिन्थियों 1:2; 13:14
2. हमारे प्रभु यीशु का अनुग्रह किस प्रकार प्रकट हुआ? 2 कुरिन्थियों 8:9
3. हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह "तुम्हारे साथ बना रहे"—इसका क्या अर्थ है? (इफिसियों 2:8; रोमियों 10:13 आदि)
4. आपको हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह कब प्राप्त हुआ? (एक निश्चित समय पर, या क्या यह प्रतिदिन प्राप्त होता है?)

ख. **परमेश्वर का प्रेम... तुम सब के साथ होता रहे**

1. 2 कुरिन्थियों 13:14 परमेश्वर के ऐसे बहुत-से गुण हैं जिनका पौलुस उल्लेख कर सकता था। वह परमेश्वर के अगापे प्रेम पर ही क्यों ध्यान केंद्रित करता है और उसे "प्रेम का परमेश्वर" क्यों कहता है (2 कुरिन्थियों 13:11)? 1 यूहन्ना 4:8
2. रोम के मसीहियों के साथ पौलुस ने परमेश्वर के अगापे प्रेम के विषय में कौन-सा उत्साहवर्धक सन्देश साझा किया? रोमियों 8:37-39
3. परमेश्वर का प्रेम "हमारे साथ" कैसे बना रह सकता है? रोमियों 5:5
4. प्रेरित यूहन्ना ने परमेश्वर के अगापे प्रेम के विषय में कौन-सी अद्‌भुत प्रतिज्ञा साझा की? 1 यूहन्ना 4:12

ग. **पवित्र आत्मा की सहभागिता... तुम सब के साथ होती रहे**

1. 2 कुरिन्थियों 13:14 पवित्र आत्मा के संदर्भ में पौलुस ने "सहभागिता" (*कोइनोनिया*) शब्द का चुनाव क्यों किया? यूहन्ना 14:16-18
2. यूहन्ना 14:23 में दर्ज यीशु की प्रतिज्ञा एक मसीही के जीवन में कैसे पूरी होती है?
3. पिन्तेकुस्त के दिन और विश्वासियों की *कोइनोनिया* सहभागिता के लिए स्वयं को समर्पित करने के बीच क्या सम्बन्ध है? प्रेरितों के काम 2:42
4. आपको पवित्र आत्मा की सहभागिता के प्रति अधिक जागरूकता कब हुई?

घ. **परमेश्वरत्व का रहस्य**

1. 2 कुरिन्थियों 13:14 में परमेश्वरत्व के रहस्य की पुष्टि की गई है: परमेश्वर पिता, परमेश्वर पुत्र यीशु मसीह, और परमेश्वर पवित्र आत्मा।
2. बपतिस्मे के विषय में अपने शिष्यों को दिए निर्देशों में यीशु ने परमेश्वरत्व के बारे में कौन-सा प्रकाशन दिया? मत्ती 28:19
3. निम्नलिखित पद्य यीशु मसीह के बारे में क्या प्रकट करते हैं? मत्ती 1:21, लूका 1:35, यूहन्ना 8:58, 14:9-11
4. निम्नलिखित पद्य पवित्र आत्मा के बारे में क्या प्रकट करते हैं? प्रेरितों के काम 5:3-4, इफिसियों 4:30, यूहन्ना 14:26, 15:26
5. कुरिन्थ के मसीहियों के लिए पौलुस के अन्तिम शब्दों में आपको सबसे अधिक क्या प्रभावित करता है? (2 कुरिन्थियों 13:14)